मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर- 342003

दिनांकः 05 दिसम्बर 2017

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र,
जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	06/12/17	07/12/17	08/12/17	09/12/17	10/12/17
वर्षा (मि.मी.)	1	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	26	25	26	26	27
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	14	13	12	12	13
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	6	3	1	0	0
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	96	95	94	92	93
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	35	34	36	38	37
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	4	3	2	4	4
हवा की दिशा	दक्षिण	दक्षिण–दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम	दक्षिण–दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

फसल	अवस्था	सलाह
सरसों	वानस्पतिक	बादल छाऐ रहने के कारण सरसों की फसल में छाछया रोग की सम्भावना है रोग के लक्षण दिखाई देते ही नियंत्रण हेतु प्रति हैक्टेयर 20 किलो गन्धक चूर्ण का भुरकाव करें।
गेहूं		गेहूं की फसल में प्रथम सिंचाई देने के 5–7 दिन बाद निराई गुडाई कर खरपतवार निकालें।
जीरा	वानस्पतिक	जीरे की फसल में उखटा रोग पौधों की छोटी अवस्था में अधिक होता है। नियंत्रण के लिए बुवाई के 30 दिन बाद फसल पर 2 ग्राम मैन्कोजेब का प्रति लीटर पानी की दर से छिडकाव करें।
पशु		दुधारू गाय व भैंसो को थनैला रोग से बचाने के लिए दूध दुहने के बाद थनों को गीला न छोड़े उन्हे अच्छी तरह से पोंछें।

(नौडल ऑफीसर)